तापमान

अधिकतम 23 .0 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

हरिभूमि
# जींद-कैथल भूमि

रोहतक, गुरुवार, 27 नवंबर 2025



12 चौधरी रणबीर सिंह विवि में मनाया गया जिलास्तरीय...

11 एसपी मैमोरियल पब्लिक स्कूल में हुआ वार्षिक खेलकूद...

## खबर संक्षेप

जींद। मेडिकल स्टोर को सील करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### सफीदों में मेडिकल स्टोर को किया सील

**जींद।** सफीदों में साहनपुर रोड पर स्थित शर्मा मेडिकल स्टोर को बुधवार को ड्रग कंट्रोल विभाग की टीम ने सील कर दिया। इस मेडिकल स्टोर की बार-बार सीएम विंडो पर शिकायत आ रही थी। इस कारण इसे दस दिन के लिए सील किया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने स्टोर को सील करते हुए इसकी चाबी स्टोर मालिक को बंद लिपुफे में सौंपी है। ड्रग इंस्पेक्टर रूबी शर्मा ने बताया कि शर्मा मेडिकल स्टोर की कई बार शिकायतें आ रही थी।

### दहेज उत्पीड़न में महिला सहित चार गिरफ्तार

**कैथल।** गुहला क्षेत्र के गांव की एक बेटी के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना गुहला पुलिस एएसआई बबीता द्वारा गांव मस्तगढ़ निवासी पीड़िता की ननद गगनदीप कौर, पति हरविंद्र सिंह , ससुर साधा सिंह व ज्येठ गुरविंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 29 नंवबर 2021 को गांव मस्तगढ़ निवासी हरविंद्र सिंह के साथ हुई थी।

### गोली लगने से फिलिंग स्टेशन मालिक की मौत

**जींद।** सफीदों के वार्ड 12 में बुधवार सुबह संदिग्ध हालात में गोली लगने से फिलिंग स्टेशन मालिक की मौत हो गई। गोली मृतक के लाइसेंसी रिवाल्वर से चली है। शहर थाना सफीदों पुलिस ने इत्ततफाकिया कार्रवाई कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों के वार्ड नंबर 12 निवासी दीपक (52) सफीदों में फिलिंग स्टेशन चलाता था। बुधवार सुबह संदिग्ध हालात में गोली लगने घायल हालात में नागरिक अस्पताल सफीदों ले जाया गया। गोली खोपड़ी में लगी थी। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर शहर थाना सफीदों प्रभारी एसएफएल टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लिया। मृतक के बेटे दीपांशु ने पुलिस को बताया कि उसकी पिता दीपक सुबह तैयार होकर फिलिंग स्टेशन जा रहे थे। उनका लाइसेंसी रिवाल्वर भी उनके पास था। उसी दौरान उनका अचानक पांव फिसल गया और गिर गए। जिसके साथ उनके रिवाल्वर से गोली चल गई और जो खोपड़ी में जा लगी। शहर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

# मरीज कृपया ध्यान दें! आज सरकारी अस्पताल आएं जरा संभल कर, दो घंटे हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- दो घंटे के लिए उपचार को लेकर लोगों को रहेगा इमरजेंसी का सहारा
- सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी रहेंगे नौ से 11 दो घंटे की हड़ताल पर
- जनसेवा को देखते हुए इमरजैंसी, डिलीवरी तथा पोस्टमार्टम सेवाएं रखी जाएंगी बहाल

अगर आज आप सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए आ रहे हैं तो आपको सुबह नौ से 11 बजे तक स्वासथ्य सेवाओं से मरहूम रहना पड़ सकता है। हालांकि इमरजेंसी, डिलीवरी तथा पोस्टमार्टम सेवाएं उपलब्ध होंगी लेकिन जनरल ओपीडी सहित अन्य कई तरह के कार्य ठप रहेंगे। यह निर्णय स्वास्थ्य विभाग की हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) की सीधी भर्ती के निर्णय के विरोध में लिया गया है। गुरूवार को सुबह नौ बजे से 11 बजे तक स्वास्थ्यकर्मी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) की सीधी भर्ती के निर्णय पर चिकित्सक हडताल पर रहेंगे। ऐसे में मरीजों व उनके तिमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि स्वास्थ्य प्रबंधन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने की बात कही गई है वहीं एसोसिएशन ने साफ चेताया कि दो घंटे तक ओपीडी किसी भी सूरत में नही करने दी जाएगी।

जींद। नागरिक अस्पताल में ओपीडी स्लिप के लिए लगी लंबी लाइन।

### दो घंटे की हडताल के दौरान निभाया जाएगा नैतिक फर्ज

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा तथा डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि दो घंटे की हड़ताल पर रहते हुए भी चिकित्सक अपना नैतिक फर्ज निभाएंगे। सभी अस्पतालों में इमरजेंसी, डिलीवरी तथा पोस्टमार्टम सेवाओं को बहाल रखा जाएगा। आमजन को भी कोई परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा गया है।

### एसएमओ की सीधी भर्ती पर रोष जता रहे हैं चिकित्सक

एचसीएमए एसोसिएशन के प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में एसएमओ की सीधी भर्ती की जा रही है। अगर ऐसा होता है तो वर्तमान में कार्यरत चिकित्सकों की पदोन्नति रुक जाएगी। जिससे उनका मनोबल गिरना स्वाभाविक है। इस फैसले के विरोध में सभी चिकित्सकों ने गुरूवार को दो घंटे के लिए काम न करते हुए अपना विरोध जताएंगे। हालांकि इस मामले में पहले ही सीएमओ को ज्ञापन सौंप दिया गया है। यदि मुख्यालय ने एसएमओ की सीधी भर्ती प्रक्रिया पर रोक नही लगाई तो वो ठोस कदम उठाने को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी स्वास्थ्य विभाग की होगी। डा. बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि विभाग ने पहले भी इस तरह का निर्णय लिया था लेकिन विरोध के बाद फैसला वापस ले लिया था। अब फिर से विभाग ने एसएमओ की सीधी भर्ती करने का प्रयास किया जा रहा है। अगर एसएमओ की सीधी भर्ती होती है तो सालों से जनता की सेवा कर रहे चिकित्सक पदोन्नति से वंचित रह जाएंगे। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने जब एसएमओ की सीधी भर्ती पर रोक लगा दी थी तो अब इस निर्णय को लागू करने का कोई औचित्य नही बनता है। एसीपी इस समय 5, 10 व 15 वर्ष पर मिलता है जिसे 4, 9, 13 व 20 वर्ष पर किया जाए।

### 1800 तक रहती है ओपीडी

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में ओपीडी प्रतिदिन 1800 तक रहती है। ऐसे में दो घंटे के लिए ओपीडी व अन्य स्वास्थ्य सेवाएं बंद रहने से आमजन को परेशानी होगी। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल 200 बैड का है। दो घंटे चिकित्सक उपचार नही करेंगे। ऐसे में दो घंटे के बाद जब ओपीडी शुरू होगी तो अफरा-तफरी का माहौल पैदा होगा

### एमरजेंसी, पोस्टमार्टम और लेबर जैसी सेवाओं को सुचारू रखा जाएगा : सीएमओ

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि चिकित्सकों की दो घंटे की हडताल है। इसे लेकर जानकारी उच्च अधिकारियों को उपलब्ध करवा दी गई है। अस्पताल में इमरजैंसी, पोस्टमार्टम और लेबर जैसी सेवाओं को सुचारू रखा जाएगा। वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। आमजन को उपचार के लिए परेशानी नही आने दी जाएगी।

# वेयरहाउस में विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर

खुले में रखा लाखों का गेहूं सड़ा, लाखों का अनाज हुआ खराब सरसों भी चूहों की भेंट चढ़ी

## लगातार नमी बढ़ने से गेहूं की बोरियों में फफूंद लगी और दाने पड़े काले

सीवन। वेयरहाउस में खराब हुआ गेहूं तथा सीवन के वेयरहाउस में साफ़ बोरियों में गेहूं भरते कर्मचारी और सीवन के वेयरहाउस में खराब हो रही सरसों।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

विभागीय लापरवाही और संसाधनों की कमी के कारण सीवन क्षेत्र के एक सरकारी वेयर हाउस में रखा कई क्विंटल गेहूं और सरसों खराब हो गया है। जानकारी के अनुसार, पिछले कई महीनों से करीब 28,000 गेहूं के बैग खुले आसमान के नीचे सिर्फ एक फटी हुई तिरपाल के नीचे रखे हुए थे, जिससे बरसात और पक्षियों ने भारी नुकसान पहुंचाया। वहीं वेयरहाउस के अंदर रखी करीब 55,000 सरसों की बोरियां भी चूहों द्वारा कुतर दी गईं, जिसके कारण सरसों बड़ी मात्रा में फर्श पर बिखर गई है और खराब हो रही है।

### खुले में रखा गेहूं पूरी तरह खराब फफूंद लगकर दाने हुए काले

सूत्रों के अनुसार, गेहूं का यह पूरा स्टॉक महीनों से बाहर पड़ा हुआ था। बरसात के दौरान तिरपाल कई जगहों से फट गई, और पक्षियों ने भी बोरियों को नोचकर अनाज को नुकसान पहुंचाया। लगातार नमी पड़ने से गेहूं की बोरियों में फफूंद लग गई और दाने काले पड़ने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि गेहूं को समय रहते वेयरहाउस के अंदर शिफ्ट न किए जाने की वजह से नुकसान कई गुना बढ़ गया है। प्राथमिक आकलन में यह नुकसान लाखों रुपये से अधिक बताया जा रहा है।

### सरसों की बोरियां भी नहीं बचीं, चूहों ने कुतर कर किया नुकसान

वेयरहाउस के अंदर भी स्थिति ठीक नहीं है। करीब 55,000 सरसों के बैग यहां रखे गए हैं, परंतु इनमें से कई बोरियों को चूहों ने कुतर दिया है, जिससे बड़ी मात्रा में सरसों फर्श पर बिखरी पड़ी है। चूहों द्वारा खराब की गई सरसों की मात्रा लगातार बढ़ रही है और कर्मचारी इसे रोक पाने में असमर्थ नजर आ रहे हैं।

### कर्मचारियों ने शुरू की सफाई, लेकिन नुकसान की भरपाई पर सवाल

बाहर रखे गेहूं को कर्मचारियों द्वारा अब नई बोरी में भरने और साफ करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। हालांकि, जो नुकसान हो चुका है, उसकी भरपाई कौन करेगा और जिम्मेदार कौन है, इस पर अभी तक किसी भी विभागीय अधिकारी की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया गया है।

### वेयरहाउस इंचार्ज ने माना, तिरपाल फटने व पक्षियों से नुकसान हुआ

वेयरहाउस इंचार्ज प्रवीण ने बताया कि बरसात के दौरान तिरपाल ऊपर से फट गई थी, जिससे पानी गेहूं तक पहुंच गया। पक्षियों ने भी काफी नुकसान किया है। गेहूं की साफ-सफाई का काम जारी है और नई बोरियों में अनाज भरा जा रहा है।

### जांच की मांग तेज, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उम्मीद

स्थानीय लोगों और किसानों ने इस पूरे मामले की कड़ी जांच कराने और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। उनका कहना है कि अनाज अगर वेयरहाउस में ही सुरक्षित न रहे, तो यह लोगों के साथ अन्याय है। वेयरहाउस की बदइंतजामी और विभागीय लापरवाही का बड़ा उदाहरण है।

कैथल। सांसद नवीन जिंदल जेड-किंग एजुकेशनल ट्रस्ट कैथल के पदाधिकारियों के साथ एमओयू करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## क्षेत्र के युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले जा रहे : सांसद जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

- सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर जेड-किंग एजुकेशनल ट्रस्ट के साथ एमओयू साइन

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास और आधुनिक रोजगार अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आज सांसद नवीन जिन्दल की उपस्थिति में जेड-किंग एजुकेशनल ट्रस्ट, कैथल के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू साइन किया गया। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले जा रहे हैं। उन्नत स्किल ट्रेनिंग, मेंटरशिप और उद्योग आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और नवाचार की दुनिया से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। यह साझेदारी नवीन जिन्दल फाउंडेशन की पहल पर की गई है, जिसका उद्देश्य युवाओं को भविष्य की रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप उन्नत कौशल उपलब्ध कराना है। एमओयू के तहत जेड-किंग एजुकेशनल ट्रस्ट कुरुक्षेत्र स्थित 'कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर' में उन्नत शिक्षण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाएगा। यहां डिजिटल लिटरेसी, स्किल-बिल्डिंग मॉड्यूल, हाई-ग्रोथ सेक्टरों के लिए उन्नत प्रशिक्षण और संरचित मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर प्रदान किए जाएंगे। डॉ. बलविंद्र ढुल ने कहा कि "जेड-किंग एजुकेशनल ट्रस्ट का लक्ष्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं को ऐसे कौशल देना है जो उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ा सके। यह एमओयू युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा और उन्हें बेहतर करियर, तकनीकी दक्षता व आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा। हम इस पहल के माध्यम से क्षेत्र के हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" नवीन जिन्दल फाउंडेशन स्किल डेवलपमेंट के डॉ. मनीष मिश्रा ने कहा कि लक्ष्य है युवाओं को वैश्विक अवसरों के अनुरूप उच्च स्तरीय कौशल शिक्षा प्रदान करना है।

## सुरक्षित यातायात की दिशा में प्रगति, हादसों में आई कमी

- वर्ष 2024 में सड़क हादसों में 200 लोगों की हुई मौत, वर्ष 2025 में हुई 159

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के कुशल दिशा-निर्देशन में जिला जींद पुलिस द्वारा किए गए सतत प्रयासों, चौकसी, सख्त यातायात प्रबंधन एवं जागरूकता अभियानों का बड़ा सकारात्मक परिणाम इस वर्ष देखने को मिला है। वर्ष 2024 में जहां 200 लोगों की मृत्यु हुई थी वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 159 रह गई। वर्ष 2024 में कुल 307 व्यक्ति घायल हुए थे जबकि 2025 में यह संख्या घटकर 260 रह गई। यह कमी बताती है कि सड़क पर अनुशासन, हेलमेट सीट बेल्ट जांच, ब्लैक स्पॉट सुधार और चौकिंग में निरंतर सतर्कता ने वास्तविक असर दिखाया है। वर्ष 2024 में कुल 339 मुकद्में दर्ज हुए थे। वहीं 2025 में कुल 289 मामले दर्ज किए गए हैं। वर्ष 2024 में कुल चालान राशि लगभग 15191900 रुपये रही थी। जबकि 2025 में 11455200 रुपये पुलिस विभाग की चालान ब्रांच में जमा हुई तथा वाहन चालकों द्वारा बकाया राशि को ऑनलाइन माध्यम से भरा गया है।

जींद। यातायात नियमों को लेकर जागरूक करते हुए ट्रेफिक कर्मी।

## चेयरमैन खांडा व उप चेयरमैन सैनी ने संभाला कार्यभार

- चेयरमैन तथा उप चेयरमैन किसानों तथा मार्केट कमेटी के हितों में करें कार्य : देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

अलेवा मार्केट कमेटी परिसर में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। नवनियुक्त मार्केट कमेटी चेयरमैन रामपाल खांडा तथा उप चेयरमैन शमशेर सैनी ने शपथ लेने के बाद अपना कार्यभार संभाला। मुख्य अतिथि के तौर पर उचाना विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रधान दीपक नबंरदार ने की। नवनियुक्त मार्केट कमेटी सदस्य भी कार्यक्रम में पहुंचे। पदभार ग्रहण समारोह में मुख्यातिथि विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके कार्यकाल को मंडी के विकास व किसानों के हितों के लिए महत्वपूर्ण बताया। विधायक ने कहा कि मार्केट कमेटियां प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने किसानों और आढ़तियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मंडियों को आधुनिक, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

अलेवा मार्केट कमेटी में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री तथा नवनियुक्त चेयरमैन व उप चेयरमैन।

**आक्रोश** श्रम संहिताओं को रद्द कर पुरानी मजदूर हितैषी कानूनों को बहाल करने की मांग

# चारों लेबर कोड को रद्द करने की मांग को लेकर शहर में किया गया विरोध-प्रदर्शन

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त आह्वान पर खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- मांगें न माने जाने पर कर्मचारियों ने आंदोलन को चेताया

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त आह्वान पर बुधवार दोपहर बाद मजदूरों, कर्मचारियों, किसानों और आमजन ने मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदश्रन पुराने बस अड्डे से शुरू हुआ और लघु सचिवालय में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बाद संपन्न हुआ। इस दौरान मजदूरों ने केंद्र की मोदी सरकार की जनविरोधी, मजदूर विरोधी और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन से पहले पुराने बस अड्डे पर जनसभा को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र, सतीश, कपूर सिंह ने एक सुर से केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चारों लेबर कोड को रद्द करने की मांग की और लेबर कोड्स कि अधिसूचनाओं कि प्रतियां जलाई गई। केंद्र सरकार ने पूंजीपतियों के इशारे पर मजदूरों के सारे अधिकार छीन लिए हैं। अगर ये जनविरोधी नीतियां वापस नहीं ली गई तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जींद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए मजदूर। फोटो : हरिभूमि

### यह है प्रमुख मांगें

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि श्रम संहिताओं को रद्द कर पुरानी मजदूर हितैषी कानूनों को बहाल किया जाए। न्यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये प्रतिमाह तय की जाए। सभी को पक्की नौकरी, समान काम-समान वेतन लागू हो। ठेका प्रथा, फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट और अप्रेंटिस नीति को पूरी तरह खत्म किया जाए। सभी असंगठित मजदूरों को 10 हजार रुपये मासिक पेंशन दी जाए। महंगाई पर रोक लगाई जाए तथा पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम तुरंत कम किए जाएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेचने की साजिश बंद हो। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए। प्रदर्शन में आशा वर्कर्स यूनियन, भवन निर्माण कामगार यूनियन, मनरेगा मेट एवं मजदूर यूनियन, मिड डे मील वर्कर्स यूनियन क्रेच वर्कर्स यूनियन आदि शामिल हुई।

## मुख्य अतिरिक्त सचिव के खिलाफ प्रदर्शन को रवाना हुए सैकड़ों बिजली कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

राज्य कमेटी के आह्वान पर ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की गुहला यूनिट के सैकड़ों बिजली कर्मचारी आज राज्य सचिव अभिषेक शर्मा की अध्यक्षता में बिजली विभाग के मुख्य अतिरिक्त सचिव के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने के लिए रवाना हुए। राज्य सचिव अभिषेक शर्मा ने बयान जारी कर बताया कि हरियाणा सरकार और बिजली निगम प्रबंधन लंबे समय से कर्मचारियों की मांगों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10-10 सालों से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को आज तक नियमित नहीं किया गया और न ही उन्हें समान काम का समान वेतन दिया गया है। उन्होंने कहा कि लाइनों पर कार्य करते हुए हजारों कर्मचारी शहीद हो चुके हैं, लेकिन उन्हें शहीद का दर्जा तक नहीं दिया गया। इतना ही नहीं, इस जोखिम भरे विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों को जोखिम भत्ता तक नहीं मिल रहा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इस विभाग में यह तक निश्चित नहीं होता कि सुबह अपने घर से ठीक-ठाक गया कर्मचारी शाम तक सुरक्षित लौट भी पाएगा या नहीं। अभिषेक शर्मा ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कर्मचारियों की मेहनत और खून-पसीने से खड़ी की गई विभागीय इमारतों को केंद्र और राज्य सरकारें ओने-पोने दामों में अपने चहेतों को बेच रही हैं।

गुहला चीका। नारेबाजी करते बिजली कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

# स्पर्श-ऊर्जा का अनोखा एहसास कराए वूल योगा

योगा करने से तन-मन को लाभ तो होता ही है। लेकिन इन सर्दियों में अगर उसे करते समय वूलेन ड्रेस पहनी जाए तो आपको स्पर्श संवेदना के साथ ऊर्जा का अनोखा एहसास भी होगा। वूल योगा युवाओं को क्यों भा रहा है और इससे किस तरह के फायदे हैं, जानिए।

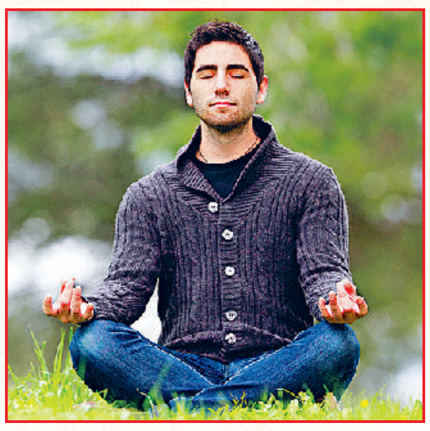

योगा ट्रेंड

दिव्यज्योति 'नंदन'

नवंबर-दिसंबर की ठंडी सुबहें जब कांच-सी पारदर्शी धुंध में लिपटी होती हैं, तब योगाभ्यास करने से अधिकतर लोग कतराने लगते हैं। लेकिन इन दिनों कुछ ऐसे युवा भी हैं, जो गर्म अहसास बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं, उन्हीं में से एक है- 'वूल योगा' यानी ऊनी वस्त्रों के साथ योगाभ्यास की वह शैली, जो तन और मन दोनों को स्पर्श के रोमांच से जोड़ती है।

**योग में स्पर्श का एहसासः** आमतौर पर हम योगाभ्यास को श्वास, आसन तथा ध्यान से जोड़ते हैं। मगर योग का एक बहुत गहरा रिश्ता स्पर्शबोध से भी है। वूल योगा दरअसल, इसी भूले हुए आयाम को फिर से जीवित करता है। जब शरीर ऊनी वस्त्रों से लिपटा होता है, तो ऊनी शॉल, ऊनी मैट या ऊनी स्वेटर तब त्वचा केवल गर्म अनुभव नहीं करती, बल्कि एक अनुभव से भी गुजरती है। यह स्पर्श का अनुभव है, जो शरीर को गमाहट से भर देता है। योगिक दृष्टि से देखा जाए, तो स्पर्श इंद्रिय यानी त्वचा, शरीर की ऊर्जा धाराओं से सीधे जुड़ी होती है। जब हम प्राकृतिक ऊन के रेशों से बने वस्त्र पहनकर ध्यान लगाते या योगाभ्यास करते हैं, तो वह न सिर्फ हमें ऊर्जा या गर्माहट देता है बल्कि प्राणिक ऊर्जा को भी स्थिर करता है।

**शरीर-प्रकृति के बीच पुलः** ऊन को हम सामान्यतः सिर्फ गर्म कपड़े के रूप में जानते हैं, लेकिन योगिक दृष्टिकोण से यह कपड़ा 'जीवित वस्त्र' है। हर रेशा एक सूक्ष्म ऊर्जा वाहक की तरह काम करता है। न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म। दरअसल, ऊन शरीर और प्रकृति के बीच ऊर्जा का एक पुल बनाती है। यही वजह है कि आजकल कई योग प्रशिक्षक, युवाओं को सलाह देते हैं कि वे सर्दियों में ध्यान या प्राणायाम करते समय सिंथेटिक की जगह ऊन या खादी के वस्त्र पहनें। क्योंकि इन कपड़ों से हमारे शरीर की त्वचा सांस लेती है और ऊर्जा संतुलित रहती है। इससे ध्यान की अवधि स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

**संवेदना को जगाएः** आज के युवा फैशन को केवल दिखावे के रूप में नहीं लेते बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में भी देखते हैं। वूल योगा इसी मानसिकता का नया विस्तार है। जहां ऊनी शॉल, जूट मैट, हस्त निर्मित जैकेट और मिट्टी के रंग वाले कपड़े सिर्फ पहनावा नहीं बल्कि आपकी संवेदना की बयानगी करते हैं। दरअसल, वूल योगा इसी सौंदर्यशास्त्र का विस्तार है, जहां फैशन ध्यान में घुल-मिल जाता है और ध्यान खुद फैशन बन जाता है।

**मिलती है भीतरी गर्मीः** वूल योगा का सबसे अनोखा पहलू यह है कि यह युवाओं को स्पर्श के रोमांच से जोड़ता है, जो रोमांच किसी शारीरिक उत्तेजना का नहीं बल्कि जीवंतता के एहसास का होता है। जब किसी ठंडी सुबह में आप ऊनी आसन पर बैठकर ध्यान लगाते हैं तो कपड़े का हर रेशा त्वचा को एहसास दिलाता है कि शरीर अभी सचेत और ऊर्जावान है। इस अनुभव में एक गहरी मनोवैज्ञानिक वास्तविकता होती है, क्योंकि आधुनिक डिजिटल युग में हम शरीर से भी दूर होते जा रहे हैं और स्क्रीन ने हमारी स्पर्श संवेदना को कुंद कर दिया है। वूल योगा इसी कुंद हो चुकी स्पर्श संवेदना या टच सेंसेशन से हमें पुनः जोड़ता है। यह एक ऐसी अनुभूति है, जो हमें संवेदनशील होने का एहसास कराती है।

**मिलता है नया अनुभवः** वूल योगा, इस बात का प्रमाण है कि योग कोई जड़ या स्थिर गतिविधि नहीं है। इसे हम नई से नई जीवंत गतिविधियों से जोड़ सकते हैं। सर्दी के मौसम में युवाओं के लिए यह सिर्फ एक फिटनेस रूटीन नहीं है बल्कि शरीर और कपड़ों के बीच के संवेदनशील संवाद का अनुभव है। इसलिए हर वह युवा जो ऊनी शॉल ओढ़कर ध्यान लगाता है, वास्तव में वह अंजाने में यही कर रहा होता है, जो अपने शरीर को महसूस करता है, वो योग के सबसे शुद्ध संस्करण तक पहुंचते हैं और यह वही जगह है, जहां साधक अपने शरीर, कपड़े और स्पर्श तीनों को योग की अनुभूति में बदल देता है। *

स्पेशल वर्ल्ड एड्स-डे 1 दिसंबर

डॉक्टर्स एडवाइस

एचआईवी संक्रमण और एड्स को लेकर अभी भी कई तरह के भ्रम समाज में मौजूद हैं। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि सावधानी बरतकर और जागरूकता से न केवल इससे बचा जा सकता है, बल्कि नियंत्रित भी किया जा सकता है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं कि एड्स कैसे हो सकता है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे कैसे बचाव हो सकता है इसका उपचार कैसे किया जा सकता है?

# जागरूकता-सावधानी से संभव है एड्स की रोकथाम

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक वार्षिक अभियान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने, इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार की पहल का दिन है। इसका मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण, उसके लक्षण, रोकथाम, उपचार और मिथकों के बारे में सही जानकारी देना है, ताकि समाज में फैले डर, भेदभाव और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके।

## एड्स-एचआईवी में अंतर

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** बताते हैं, 'एड्स और एचआईवी को अकसर एक ही बीमारी माना जाता है, लेकिन सच यह है कि दोनों बिल्कुल अलग अवस्थाएं हैं। एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, जबकि एड्स इस संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण होता है, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर समय पर एचआईवी की पहचान हो जाए और मरीज तुरंत एआरटी थेरेपी शुरू कर दे, तो वह लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है और एड्स तक पहुंचने से भी बच सकता है। आधुनिक दवाइयां वायरस को पूरी तरह खत्म तो नहीं करतीं, लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम कर देती हैं कि वह शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता और दूसरे लोगों तक भी लगभग नहीं फैलता।'

## भारत में एचआईवी की स्थिति

अपने देश में एचआईवी की कंडीशन के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज, **डॉ. अरविंद अग्रवाल** बताते हैं, 'भारत में एचआईवी की स्थिति के बारे में बात करें तो यह अभी भी एक अहम स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मुताबिक भारत में लगभग 23 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं और हर साल कई नए मामले सामने आते हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में संक्रमण कम हुआ है। सरकार और कई संस्थाओं के प्रयासों से लोगों में जागरूकता बढ़ी है और एआरटी दवाएं भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे मरीजों को काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद गांवों और छोटे शहरों में जानकारी की कमी, समाज का डर बना हुआ है, इसे दूर किए जाने की जरूरत है।'

## एचआईवी कैसे फैलता है

एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है, इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. रोहित शर्मा** क्लीयर करते हैं, 'एचआईवी कैसे फैलता है, इसे लेकर लोगों में आज भी कई गलतफहमियां हैं, इसलिए सही जानकारी बेहद जरूरी है। एचआईवी संक्रमण सिर्फ चार वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तरीकों से ही फैलता है, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित सुई या ब्लेड का उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने से और मां से बच्चे में गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान। इन चार तरीकों के अलावा किसी भी सामान्य गतिविधि से एचआईवी नहीं फैलता। साथ बैठने, साथ खाने, हाथ मिलाने, कपड़े या टूथब्रश जैसे सामान साझा करने, या मच्छर के काटने से यह संक्रमण नहीं होता। फिर भी इन मिथकों के कारण लोग एचआईवी मरीजों से दूरी बनाते हैं, जिससे उन्हें सामाजिक भेदभाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। सही जानकारी ही इस कलंक को खत्म कर सकती है।'

## एचआईवी के शुरुआती लक्षण

एचआईवी संक्रमण की शुरुआत में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे लोग इसे सामान्य थकान या मौसम बदलने की बीमारी समझ लेते हैं। कुछ मामलों में शुरुआती हफ्तों में फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं-जैसे हल्का बुखार, लगातार थकान, गले में खराश, शरीर पर हल्के दाने या बिना कारण वजन कम होना। चूंकि ये लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, लोग अकसर एचआईवी टेस्ट कराने से बचते हैं और संक्रमण बढ़ता जाता है। इसी वजह से डॉक्टर सलाह देते हैं कि जोखिम की स्थिति में समय पर एचआईवी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, ताकि बीमारी को शुरुआत में ही नियंत्रित किया जा सके।

## सावधानी से संभव है रोकथाम

विश्व एड्स दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। एचआईवी से बचने के लिए कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए, जैसे हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाना, एक ही साथी के साथ संबंध रखना, किसी भी सुई या ब्लेड का दोबारा उपयोग न करना, केवल जांच किए हुए और प्रमाणित खून ही चढ़वाना और गर्भवती महिलाओं का समय पर एचआईवी टेस्ट कराना। इसके साथ ही जागरूक रहना और दूसरों को भी सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। ये कदम न केवल व्यक्ति को सुरक्षित रखते हैं बल्कि समाज में संक्रमण की रफ्तार भी काफी हद तक कम कर देते हैं।

## सही नहीं भेदभाव करना

हालांकि इलाज और जागरूकता बढ़ी है, फिर भी एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें नौकरी देने में हिचकिचाहट, घर या स्कूल में दूरी, रिश्तों में समस्याएं और सामाजिक तिरस्कार जैसी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, जो बीमारी से ज्यादा मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। विश्व एड्स दिवस इसी भेदभाव को खत्म करने की अपील करता है। समाज का सम्मान और सहयोग संक्रमित व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्कूलों में यौन शिक्षा देना, युवाओं में जागरूकता फैलाना और संक्रमित लोगों का सम्मानपूर्वक सहयोग करना- ये सभी कदम संक्रमण को कम करने में भूमिका निभाते हैं। यदि समाज एकजुट होकर काम करे तो एचआईवी को रोकना संभव है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

### एआरटी थेरेपी है काफी कारगर

एक समय एचआईवी को जानलेवा बीमारी माना जाता था, लेकिन आधुनिक चिकित्सा ने इसकी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। आज उपलब्ध एआरटी मरीज को लंबा, सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है। इससे शरीर में वायरस की मात्रा काफी कम हो जाती है, जिससे संक्रमण दूसरों तक फैलना लगभग रुक जाता है और मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। भारत सरकार भी कई केंद्रों पर एआरटी की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराती हैं, जिससे लाखों लोग नियमित इलाज ले पा रहे हैं और अच्छा जीवन जी रहे हैं।

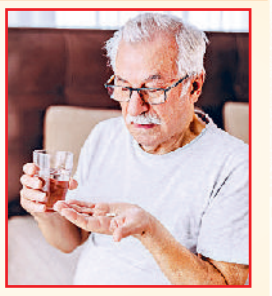

हर्बल जोन

रेखा देशराज

# सर्दियों में गर्माहट का एहसास कराए लेमन ग्रास

सर्दियों के लिए लेमन ग्रास, बहुत खास हर्ब मानी जाती है। इसलिए इसे सर्दियों की 'वार्मिंग हर्ब' कहा जाता है। क्योंकि यह केवल स्वाद या सुगंध का स्रोत नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक रूप से गर्माहट देने वाली जड़ी-बूटी है, इसलिए ठंड के प्रारंभिक दिनों में लेमन ग्रास के सेवन से कई फायदे होते हैं।

**बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमताः** लेमन ग्रास में कुदरती रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का गुण होता है, इसलिए सर्दियों की शुरुआत में जब शरीर खांसी, जुकाम और बुखार के संक्रमण से पीड़ित होता है, तब इसका इस्तेमाल लाभकारी होता है। लेमन ग्रास में सिंटल और जेरोनियोल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं, इसलिए ये बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं। जब हम सर्दियों में लेमन ग्रास का चाय के रूप में या एरोमा थेरेपी के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बहुत फायदे मिलते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और मूड शांत होता है। शुरुआती सर्दियों में लेमन ग्रास का बेहतर उपयोग करने के लिए एक कप पानी में एक इंच लेमन ग्रास का टुकड़ा या फिर इसके सूखे पत्ते डालकर पांच-सात मिनट तक उबालना चाहिए। अगर इस पानी में अदरक, तुलसी और शहद भी मिला दिया जाए, तो फायदे कई गुना ज्यादा बढ़ जाते हैं।

**कई रोगों से बचाएः** लेमन ग्रास की चाय पीने से सर्दी, जुकाम और गले की खराश में राहत मिलती है। पेट की गैस, अपच और भारीपन से भी राहत मिलती है। लेमन ग्रास की भाप या इसकी चाय का नियमित इस्तेमाल करने से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूती मिलती है। क्योंकि इस मौसम में यह श्वसन तंत्र को खोलती है और हमारे गले की खराश को कम करती है। लेमन ग्रास में एक रासायनिक उत्प्रेरक शक्ति होती है, जिसके चलते यह बलगम को पतला करके उसे शरीर से निकालने में विशेष रूप से मदद करती है। इसलिए कुछ लोग सर्दियों में लेमन ग्रास को कफ फ्रेंडली हर्ब के रूप में भी जानते हैं, क्योंकि लेमन ग्रास का मूल स्वभाव उष्ण यानी गर्म होता है। मतलब यह हमारे रक्त संचार को बढ़ाती है, जो कि ठंड के मौसम में धीमा हो जाता है। लेमन ग्रास की चाय पीने से हमारे शरीर की सुस्ती और ठिठुरन कम होती है। क्योंकि जब हम लेमन ग्रास की चाय पीते हैं तो शरीर में इसके प्रभाव से एनर्जी पैदा होती है और मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ जाती है। लेमन ग्रास के कुछ टुकड़ों को दालचीनी और तुलसी के साथ सूप बनाकर पीया जाए, तो बड़ा फायदा मिलता है क्योंकि यह प्राकृतिक डिटॉक्स की तरह काम करता है।

**लेमन ग्रास बाथः** इस मौसम में गुनगुने पानी में लेमन ग्रास की पत्तियां या तेल डालकर 15 से 20 मिनट तक पैरों को उस गुनगुने पानी में डुबोकर रखें और फिर गुनगुने पानी से स्नान कर लिया जाए, तो थकान की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाती है। *

फिटनेस फंडा

नितिन बाबू

# फिटनेस के लिए डेली करना होता है एफर्ट

सोनी सब चैनल के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में चिराग का किरदार नितिन बाबू निभा रहे हैं। वह अच्छी लाइफ के लिए फिजिकल और मेंटल फिटनेस को बहुत महत्व देते हैं। इसके लिए वे क्या कुछ करते हैं, अपना फिटनेस रूटीन नितिन शेयर कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

चिराग की भूमिका निभाना मेरे लिए रोमांचक और भावनात्मक दोनों है। उसका किरदार बहुत गहराई लिए हुए है। ऐसे किरदार को निभाने के लिए मेंटली फिट होना बहुत हेल्पफुल होता है। वैसे भी मैं हमेशा से अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहा हूं और इसके लिए डेली एफर्ट करता रहता हूं।

**डाइट प्लानः** मेरा डाइट प्लान ज्यादातर सिंपल और संतुलित रहता है। सुबह हल्का और हेल्दी नाश्ता करता हूं। इसमें ओट्स, अंडे या फिर फल लेता हूं। दोपहर में घर का बना खाना पसंद है, जिसमें दाल, सब्जी, सलाद और ब्राउन राइस या रोटी होती है। रात का खाना मैं हल्का रखता हूं। दिन भर खूब पानी पीने की कोशिश करता हूं और जंक फूड से जितना हो सके दूर रहता हूं।

**वर्कआउट रूटीनः** मेरा वर्कआउट रूटीन, शूट शेड्यूल पर निर्भर करता है। लेकिन मैं सप्ताह में कम से कम तीन दिन जरूर एक्सरसाइज करता हूं। इसमें कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और किसी दिन योग या फंक्शनल ट्रेनिंग शामिल होती है। शूट पर भी अगर समय मिलता है तो थोड़ी देर वॉक कर लेता हूं। वर्कआउट मिस नहीं करता हूं।

**मैनेज करता हूं टाइमः** सच कहूं तो वर्कआउट के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन यह फिट रहने के लिए बहुत जरूरी भी है। इसलिए मैं अपने दिन की प्लानिंग पहले से कर लेता हूं। अगर सुबह शूट हो, तो वर्कआउट शाम को कर लेता हूं। अगर दोपहर या शाम का शूट है तो सुबह वर्कआउट कर लेता हूं। और कभी-कभी सेट पर ही थोड़ा समय निकालकर कोई छोटी-मोटी फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं।

**ऐसे रहता हूं मेंटली फिटः** मेरे लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं रोज कुछ मिनट मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करता हूं। किताबें पढ़ना मेरी हैबिट में शामिल है। परिवार और दोस्तों से बातचीत करना मुझे संतुलित रखता है। इसके आनावा मैं मानता हूं अपने मन की सुनना और खुद को ज्यादा भार या तनाव न देना बहुत मायने रखता है।

**फिटनेस आइडलः** मुझे हमेशा से ऋतिक रोशन और मिलिंद सोमन ने प्रेरित किया है। दोनों सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत हैं। उनकी लाइफस्टाइल और अनुशासन मुझे यह सिखाते हैं कि फिटनेस एक लंबी यात्रा है। यह निरंतर चलती है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

**रीडर्स को मैसेजः** मेरा सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है- कंसिस्टेंसी इज द की। यानी फिटनेस के लिए आप चाहे कितना भी छोटा कदम उठाएं, लेकिन उसे रोज जारी रखें। फिटनेस सिर्फ जिम जाने से नहीं आती, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से आती है। इसमें हेल्दी डाइट, अच्छी नींद और सकारात्मक सोच शामिल होती है। इसे लगातार फॉलो करना होता है, डेली एफर्ट करना होता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

अवेयरनेस

अपराजिता

किसी की डेथ के बाद अगर उसके कुछ अंगों का दान कर दिया जाए तो दूसरे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। लेकिन अवेयरनेस के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता है। 27 नवंबर, राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर, इस बारे में जानिए।

# अंग दान से मिल सकता है कई लोगों को जीवनदान

आज का दौर, चिकित्सकीय दृष्टि से क्रांति का दौर कहा जा सकता है। पिछले एक दशक में बायो क्षेत्र में जितनी तकनीकी प्रगति हुई है, उतनी शायद ही किसी दूसरे दौर में हुई हो। बावजूद इसके जीवन रक्षा के लिए आज भी तकनीक से ज्यादा जरूरी अंग दान ही है, क्योंकि अंग प्रत्यारोपण की तकनीक तो बहुत तेजी से विकसित हुई है, लेकिन अभी भी कृत्रिम अंगों की वह विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकी, जो आज भी मानवीय अंगों को है। सवाल है, इस बीच में लोगों का जीवन बचाने और बेहतर बनाने का उपाय क्या हो सकता है? तो इस सवाल का सबसे आसान जवाब यही है अंग दान।

**अंगदान की बढ़ती मांगः** अकेले भारत में ही हर साल 63 हजार लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। लेकिन हर साल अंगदान के रूप में हासिल होने वाली किडनियों की संख्या 3000 से भी कम होती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत जिस रफ्तार से बढ़ रही है। इसी तरह हर साल भारत में 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, मगर मुश्किल से 800 से 900 लोगों को ही अंगदान के जरिए यह सुविधा प्राप्त हो पाती है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों के बीच अंगदान की दर 0.3 से 0.8 के आस-पास है।

**अवेयरनेस की है कमीः** सामाजिक जागरूकता और नीति प्रक्रिया की स्थिति कुछ ऐसी है कि सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देशों में अंगदान की गति बहुत धीमी है। इसलिए अंग दान जैसे दिवसों का पहले के मुकाबले आज कहीं ज्यादा महत्व है, क्योंकि इसी बहाने लोगों को अंग दान को लेकर जागरूक किया जा सकता है। इसलिए अंग दान जैसे दिवस भले इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बारे में प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया ज्यादा बेहतर और ज्यादा सुखी बन सके।

**पहले से बढ़ी है जागरूकताः** आज विश्व स्वास्थ्य संगठन और चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े तमाम संगठन और संस्थाएं अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम करती हैं, जिसके चलते अब धीरे-धीरे लोगों में यह भ्रम और झिझक खत्म हो रही है और अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बढ़ी है। लेकिन आज भी मांग और उपलब्धि के बीच में बहुत बड़ा अंतर है।

सिर्फ गुर्दा प्रत्यारोपण हेतु ही दुनिया में कई लाख लोग हर समय प्रतीक्षारत रहते हैं और गुर्दा दान करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। हालांकि पिछले कुछ सालों में पश्चिमी विकसित देशों में अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बेहतर हुई है और आज औसतन प्रति लाख 20 से 30 लोग अंगदान के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रति लाख 30 लोगों का आंकड़ा स्पेन का है। लेकिन आज भी अंगदान देने वालों और चाहने वालों की संख्या में बहुत फर्क है। इसलिए इस दिन की खास महत्ता है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें समझाया जाए कि अंगदान ही महादान है। इसलिए अंग दान दिवस की महत्ता आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। *

### बचा सकते हैं कई लोगों की जान

**आज भी** शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह से कृत्रिम नहीं बनाया जा सका, जो सौ फीसदी कारगर हो। आज भी 99.99 फीसदी अंग प्रत्यारोपण जीवित या मृत लोगों के द्वारा दिए गए अंगों के दान पर ही निर्भर है। ऐसे में कोई भी तकनीक चाहे कितनी ही उन्नत हो जाए, किसी काम की नहीं होगी, जब प्रत्यारोपण के लिए अंग ही न मौजूद हों। यही कारण है कि अंग प्रत्यारोपण दिवस पर पूरी दुनिया में अनेक मेडिकल संस्थाएं और एजेंसियां अंग दान संबंधी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करती हैं। गौरतलब है कि अंग दान के प्रति उदासीनता के कारण हर साल 25 लाख से ज्यादा लोगों की या तो दुर्घटना के चलते या असाध्य बीमारियों के तहत मौत हो जाती है और अगर पूरी दुनिया में लोग अंग दान को लेकर सहज हो जाएं, तो हर साल इतने लोगों को असमय मृत्यु से बचाया जा सकता है।

## खबर संक्षेप

### आज से शुरू होंगी हिसार मंडल की प्रतियोगिताएं

**जींद।** हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ के आदेशानुसार मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 27 से 29 नवंबर तक हिसार मंडल की प्रतियोगिताएं बाल भवन में आयोजित की जाएंगी। यह सभी कार्यक्रम अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य की देखरेख में करवाए जा रहे हैं। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 27 नवंबर को परिषद महासचिव सुषमा गुप्ता करेंगी। जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत सिंह चहल ने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे ही मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। 27 नवंबर को ग्रुप डांस व सोलो डांस की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

### गन्ने की खेती के लिए मिल रहा अनुदान

**कैथल।** सहायक गन्ना विकास अधिकारी डॉ. सतीश नारा ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा गन्ना तकनीकी मिशन स्कीम के तहत वर्ष 2025-26 में शुगर मिल कैथल के अंतर्गत आने वाले गांवों के किसानों को गन्ने की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सहायक गन्ना विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गन्ने की किस्मों की यदि बिजाई की जाती है, तो नर्सरी बीज पर पांच हजार रुपये प्रति एकड़ की सहायता राशि, चौड़ी विधि द्वारा गन्ना फसल की बिजाई करने पर तीन हजार रुपये प्रति एकड़ की सहायता राशि दी जाएगी।

### सीआरएसयू में हुआ शोध कार्यक्रम

**जींद।** चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में शारीरिक शिक्षा विभाग में शैक्षणिक गतिविधि के तहत शोधार्थी नवीन सांगवान का प्री.सबमिशन विवा विभागाध्यक्ष प्रो. कुलदीप नारा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। वाइवा के दौरान शोधार्थी ने अपने शोध कार्य के उद्देश्य, परिकल्पना, शोध पद्धति, डेटा विश्लेषण तथा प्रमुख निष्कर्षों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने अध्ययन के माध्यम से प्राप्त वैज्ञानिक तथ्यों, शोध योगदान एवं भविष्य में उपयोगी संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

### राजकीय कॉलेज में संविधान दिवस मनाया

**जींद।** राजकीय महाविद्यालय अलेवा में संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मुनीश कुमार ने की तथा संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। यह सामूहिक पाठ देश के नागरिकों के रूप में संवैधानिक मूल्यों जैसे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति अपनी आस्था और प्रतिबद्धता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण क्षण था। डा. मनोज कुमार ने छात्रों को बताया कि संविधान केवल कानूनों का एक संग्रह नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दर्शन का प्रतीक है।

## खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए : बीएस गर्ग

# पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़ाएं बच्चों की रूचि

खेलों में बच्चों की प्रतिभा को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

जींद। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एसपी मैमोरियल पब्लिक स्कूल जुलानी रोड में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके अतिथि विद्यालय के चेयरमैन बीएस गर्ग एवं समारोह अध्यक्षता विद्यालय की निदेशिका रूपकमल गर्ग ने की। शुभारंभ मुख्यअतिथि बीएस गर्ग ने झंडी दिखा कर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज हम जो इस वार्षिक खेल उत्सव में शामिल हुए हैं, यह हमारे विद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन हमारे स्कूल के मुख्य कोच आनंद ईसो के दिशा-निर्देशन, विद्यालय के डीपीई सुरेश कुमार, सहायक कोच अभिषेक एवं बलिंद्र एवं स्टाफ की मेहनत एवं सभी बच्चों के उत्साह व कड़े अभ्यास के कारण ही ये एक भव्य समारोह प्रतीत हो रहा है। इसके लिए उन्होंने इन सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने खेलों को पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक विकास के लिए बहुत आवश्यक बताया। वार्षिक खेल उत्सव में आए हुए सभी अभिभावक गण एवं मेहमानों का हार्दिक धन्यवाद किया। विद्यालय के प्रिंसिपल सुरेंद्र शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस वार्षिक खेल उत्सव में छोटे-छोटे बच्चों की फ्रॉग रेस, लेमन रेस, स्पून रेस, थ्रीलेग रेस, बाल कलेक्शन रेस, सिंपल रेस व अन्य गेमों का मेहमानों ने खूब लुत्फ उठाया और जोरदार तालियों से हौंसला बढ़ाया। सीनियर वर्ग में खो-खो, वालीबाल, बैडमिंटन, सिंपल रेस, रिले रेस व अन्य प्रतियोगिताएं करवाई गईं। इस उत्सव में अभिभावकों, दादी-दादी, नाना-नानी की मटकी आदि प्रतियोगिताएं करवाई गईं।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### गोल्ड स्कूल में हुई डेकोरेशन प्रतियोगिता

**जींद।** गोल्ड लाइड स्कूल में छात्रों की रचनात्मकता, जागरूकता और कलात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से एक बोर्ड डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता के लिए नवंबर माह के प्रमुख राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय दिवसों को विषय के रूप में शामिल किया गया, जिनमें राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विधिक सेवा दिवस, शिक्षा दिवस, बाल दिवस, राष्ट्रीय प्रेस दिवस, राष्ट्रीय मिर्गी एपिलेप्सी दिवस, राष्ट्रीय एकीकरण दिवस, विश्व बाल दिवस, संविधान दिवस और भारत का झंडा दिवस प्रमुख रहे। इन सभी विषयों पर विद्यार्थियों ने पोस्टर, स्लोगन, रंगीन कटआउट और सूचनात्मक चित्रों के माध्यम से बोर्ड सजाए। छात्रों द्वारा बनाए गए बोर्ड न केवल देखने में सुंदर थे, बल्कि उनमें सामाजिक संदेश और जागरूकता का भाव भी स्पष्ट रूप से झलक रहा था। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और रचनात्मक सोच को विकसित करना था। शिक्षकों ने भी बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विषय की गहराई समझाई।

# भगवान श्री कृष्ण के मुख से निकले गीता के श्लोक स्वर्ण अक्षरों के समान : एसडीएम

गीता भारत की प्राचीन धरोहरों में से एक महत्पूर्ण ग्रंथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

जींद। कार्यक्रम में मौजूद एसडीएम। फोटो :हरिभूमि

सफीदों एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के मुख से निकले गीता के श्लोक स्वर्ण अक्षरों के समान हैं। श्रीमद्भगवद्गीता जीवन मार्गदर्शक ग्रंथ का महत्व आज भी प्रासंगिक है। भारत की प्राचीनतम और श्रेष्ठ आध्यात्मिक धरोहरों में से एक है। श्रीमद्भगवद्गीता आज भी मानव जीवन को सही दिशा देने वाला ग्रंथ साबित हो रहा है। महाभारत युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिएए वही गीता के रूप में विश्व प्रसिद्ध हुए। इसमें कुल 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा बुधवार को श्री नागक्षेत्र मंदिर में नागक्षेत्र मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रूप में मनोनीत पार्षद हरीश मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि गीता केवल धार्मिक पुस्तक नहींए बल्कि जीवन जीने की व्यावहारिक नीति है।

### कैथल में श्रद्धालु सीख रहे आनापानसति ध्यान

**कैथल।** अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के अंतर्गत नारायण पिरामिड ध्यान केंद्र ,कैथल द्वारा 16 से 30 नवम्बर 2025 तक आयोजित ध्यान शिविर पूरे उल्लास, आध्यात्मिक ऊर्जा और विशाल सहभागिता के साथ निरंतर जारी है। गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर प्रतिदिन हजारों आगंतुक शिविर में पहुँचकर आनापानसति ध्यान सीख रहे हैं और आत्मिक शांति, मानसिक स्थिरता तथा सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं। शिविर में सभी आयु वर्ग बुजुर्ग, युवा, महिलाएँ, विद्यार्थी और छोटे बच्चे सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। वरिष्ठ ध्यान प्रशिक्षक मीनाक्षी खुरानिया और निखिल खुरानिया नियमित सत्रों के माध्यम से ध्यान के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाल रहे हैं।

## न्यूज डायरी

### ओएसडीएवी कमें उत्साह से मनाया संविधान दिवस

कैथल। ओएसडीएवी स्कूल में संविधान की शपथ लेते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

**कैथल।** ओएसडीएवी के प्रांगण में प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ की अध्यक्षता में 76वां संविधान दिवस अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ 12वीं कक्षा की छात्रा अंकिता द्वारा संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। तत्पश्चात दसवीं कक्षा की छात्राओं अस्मिता और रिद्धिमा द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया तत्पश्चात विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षण व ग़ैर- शिक्षण कर्मचारियों ने संविधान की रक्षा एवं गरिमा के लिए प्रस्तावना की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने अपने अभिभाषण में सर्वप्रथम हमारे देश के संविधान- निर्माता ' डॉ॰ अम्बेडकरजी ' का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

### डोर-टु-डोर पहुंच रही नशामुक्ति जागरूकता टीम

**कैथल।** पुलिस प्रवक्ता के अनुसार नशा उन्मूलन अभियान को मजबूती देने के लिए दो विशेष नशा जागरूकता टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह, एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत एवं सोनिया सहित एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर को शामिल किया गया है। ये टीमें जिले के सभी गांवों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूल-कॉलेजों और वार्डों में जाकर सतत रूप से आमजन को जागरूक कर रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को नशा जागरूकता पुलिस टीमों द्वारा गांव खरंका व चक्कु लदाना सहित विभिन्न जगह पर डोर-टु-डोर पहुँच लोगों को नशे से होने वाले गंभीर सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की।

### आर्य स्कूल में मनाया गया 76वां संविधान दिवस

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

**नरवाना।** 76वां संविधान दिवस मनाने के लिए आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों ने भाग लिया। स्कूल के प्राचार्य रघुभूषण लाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें बताया कि संविधान किसी भी देश का सर्वोच्च कानून होता है जिसके अनुसार उसे देश की समूची व्यवस्था का संचालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश सरकार ने भारत को सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण करने से पहले कैबिनेट मिशन योजना के तहत भारत के संविधान का निर्माण करने के लिए एक 389 सदस्य संविधान सभा का गठन किया था। भारत के विभाजन के बाद जिसमें 299 सदस्य रह गए थे।

### भाषण प्रतियोगिता में योगिता रही प्रथम, किया पुरस्कृत

कैथल। अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते अधिकारी।

**कैथल।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में संविधान दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। इसके बाद भारतीय संविधान पर जिला स्तरीय सेमिनार एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता व सेमिनार शमशेर सिंह मलिक वर्ग-अनुदेशक अनुदेशक की देखरेख में कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई महिला ने कि व मुख्य अतिथि के रूप में अतुल शर्मा प्रधानाचार्य माइलस्टोन स्कूल व विशिष्ट अतिथि के रूप में धजे सिंह रिटायर्ड प्रिंसिपल कैथल रहे।

### जीवन रक्षक प्रशिक्षण में दीं अहम जानकारियां

गुहला चीका। मास्टर ट्रेनर डॉ. राजा सिंह झींजर विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए

**गुहला-चीका।** सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन इंडिया, नई दिल्ली द्वारा जहां एक ओर देश के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर 'जीवन रक्षक प्रशिक्षण आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाना बेहद प्रशंसनीय कदम है। इन प्रयासों से न केवल समाज में आपसी सहयोग की भावना मजबूत होगी, बल्कि बेरोजगारी की समस्या में भी कमी आएगी।

# जजपा का स्थापना दिवस दिखाएगा राजनीतिक दलों को आईना : विकास

- भाजपा की नीतियों से हर वर्ग परेशान, कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

विकास सिहाग।

जजपा के वरिष्ठ नेता विकास सिहाग ने कहा कि सात दिसंबर को जजपा के स्थापना दिवस पर अपार भीड़ उमड़ेगी। जिसकी तैयारियों में जजपा कार्यकर्ता जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से जनता का बुरा हाल है। योजनाओं का लाभ जनता को नही मिल रहा है। सत्तासीन लोग अपनी झोली भरने में लगे हुए हैं। सरकार संसाधनों का दुरूपयोग किया जा रहा है। सरकार के खिलाफ कोई आवाज उठाता है तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। कांग्रेस तथा भाजपा दोनों एक ही पहलू के दो सिक्के हैं। विपक्ष होने चलते जनता की आवाज उठाने के जिम्मा कांग्रेस को मिला है। कांग्रेस जनता की आवाज उठाने में नाकाम रही है। गुटबाजी में उलझी कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम रही है। बेराजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। कोई नया उद्योग प्रदेश में नही लगा है। नए मापदंड बना कर गरीबों का निवाला छीना जा रहा है। उन्हें राशन के दायरे से बाहर किया जा रहा है। सत्ता के नशे के चूर भाजपा यह भूल गई कि जनता सब कुछ देख रही है। आने वाले समय में लोग भाजपा को सबक सिखाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जब दुष्यंत चौटाला डिप्टी सीएम थे, उन्होंने अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थी। लोग दुष्यंत चौटाला के कार्यकाल को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय जजपा का है।

जींद। नशा मुक्ति अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकालते हुए छात्र।

## विद्यार्थियों ने रैली निकाल नशे के दुष्प्रभावों को लेकर किया जागरूक

**जींद।** छोटू राम किसान महाविद्यालय में हरियाणा सरकार उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से राष्ट्रीयस्तर पर चलाए गए नशा मुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों द्वारा स्लोगन व पोस्टर बना नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस इंचार्ज डा. सत कुमार ने विद्यार्थियों को स्लोगन के विषय बता कर उनको राष्ट्रहित के लिए ऐसे कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डा. अजमेर हुड्डा, डा. रविंद्र कुमार व प्रो. सोनू, डा. अंजू लाठर, डा. संजय खर्ब, डा. राजपाल ढांडा आदि मौजूद रहे। छोटू राम किसान महाविद्यालय में संविधान दिवस पर प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने कहा कि देश के विकास में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने संविधान निर्माताओं विशेषकर डा. भीम राव आंबेडकर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

अलेवा। हसनपुर गांव में टीकाकरण करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

### बीमारियों के बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी : ढांडा

**अलेवा।** नगूरां पीएचसी के अधीन विभिन्न गांव के उप स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग ने नियमित टीकाकरण के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों को टीबी, हेपेटाइटस बी, पोलियो, गलघोटू, टैटनस, काली खांसी, खसरा, रूबैला, निमोनिया, दिमागी बुखार और दस्त जैसी 12 जानलेवा बीमारियों के बचाव के लिए टीका लगाया। इस दौरान पांच साल में सात बार छूटे न टीका एक भी बार नामक स्लोगनों से लोगों को जागरूक किया। स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने बताया कि टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाता है और एक स्वस्थ समुदाय बनाने में मदद करता है। टीकाकरण से बच्चों में शिशु मृत्यु दर में कमी आती है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को भी टीडी के टीके लगाए गए ताकि प्रसव के दौरान महिलाओं में टैटनस बीमारी का संक्रमण रोका जा सके। इसलिए गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण करवाना चाहिए तथा गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिलाओं को फोलिक एसिड, कैल्शियम की गोलियों के अलावा संतुलित आहार लेना चाहिए व रूटीन चेकअप करवाते रहना चाहिए।

# सांसद के कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने हाबड़ी हॉकी स्टेडियम का किया दौरा

- विधानसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं 1 दिसंबर से शुरू : रविन्द्र धीमान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पूंडरी

पूंडीरी। कार्यालय जिला प्रभारी रविंद्र धीमान ने गांव हाबड़ी में स्थित हॉकी स्टेडियम का दौरा करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सांसद खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कैथल की सभी ब्लॉकों, विधानसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जा रही है। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना, नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। बुधवार को सांसद नवीन जिंदल के कार्यालय जिला प्रभारी रविंद्र धीमान ने गांव हाबड़ी में स्थित हॉकी स्टेडियम का दौरा किया। उन्होंने हॉकी स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों से बातचीत कर हॉकी स्टेडियम की सभी व्यवस्थाओं का जायज लिया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विधानसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं 1 दिसंबर से शुरू होगी। खिलाड़ियों के उत्साह और मेहनत को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इस बार प्रतियोगिताएँ और भी बेहतर स्तर पर आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को अपने खेल में निखार लाने का अवसर मिला है।

# भाषण में निहारिका रहीं प्रथम

- जिलास्तरीय भाषण प्रतियोगिता में आरजीएम उचाना की छात्रा निहारिका को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उचाना

उचाना। जिलास्तरीय भाषण प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में में हरकोफेड की तरफ से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिला स्तरीय इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रथम को 3100, द्वितीय को 2100, तृतीय को 1100 एवं सांत्वना पुरस्कार पाने वाले को 800-800 रुपये का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम आयोजक रिषिपाल श्योकंद ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य सरकार की सहकारी समितियों व योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना है।

भविष्य की कार्यरूप योजनाओं को सफलता का जामा पहनाने का कार्य सरकारी सहकारी समितियां करती है। जिनमें आम जन की सहभागिता भी अनिवार्य है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजीव गांधी महाविद्यालय की छात्रा निहारिका द्वितीय स्थान पर सनातन धर्म महिला महाविद्यालय की छात्रा सोनम, तृतीय राजीव गांधी महाविद्यालय की छात्रा नेगिता रही। राजीव गांधी महाविद्यालय की छात्रा वंदनाए प्रियदर्शनी कालेज जींद की छात्रा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्राचार्य रणबीर कौशल ने विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

## छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से मोहा मन

# इंडस स्कूल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर हंसी, तालियों और उल्लास से गूंजता रहा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

जींद। कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए बच्चे एवं कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए बच्चे।

इंडस पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में कक्षा नर्सरी के विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। जिसमें इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशंस के निदेशक सुभाष श्योराण विशेष अतिथि, बीएम भोला, निदेशिका रचना श्योराण, प्राचार्या अरुणा शर्मा और मुख्यअध्यापिका गुरमीत कौर ने दीप प्रज्वलित कर के किया। नन्हे विद्यार्थियों ने मंच पर दादा-दादी, नाना-नानी, मम्मी-पापा और अध्यापकगण सभी के महत्व को दर्शाते हुए प्यारे-प्यारे गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। उनकी मासूम अदाओं और मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थिति सभी के दिल जीत लिए। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर हंसी, तालियों और उल्लास से गूंजता रहा।

### छात्रों को किया प्रेरित

निदेशक सुभाष श्योराण ने कहा कि बच्चों चंहुमुखी विकास के लिए स्कूल के साथ-साथ अभिभावकों को भी आदर्श बन कर बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए। जिससे वे संस्कारी बन सकें। प्राचार्या अरूणा शर्मा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को समय देना चाहिए और बच्चों को नैतिक मूल्यों के बारे में सिखाना चाहिए। बीएम भोला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, प्रेम, आदर और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करते हैं और उन्हें परिवार की अहमियत को समझने में मदद करते हैं। अंत में मुख्यध्यापिका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

### सत्यवान नने संभाला राजौंद के उपमंडल अभियंता का कार्यभार

**राजौंद।** उतरी हरियाणा बिजली वितरण निगम राजौंद के नए कार्यकारी उपमण्डल अभियंता सत्यवान नैन ने बुधवार को प्रधानमंत्री सूर्या घर बिजली योजना के विषय में जानकारी देते हुए लोगो को अधिक से अधिक इस योजना का लाभ उठाने के लिए आह्वान किया। उन्होंने इसके साथ साथ लोगो को बिजली चोरी न करने का भी आह्वान किया। कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति बिजली चोरी करता हुआ पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**सूचना**

मैं, भगवान दास पुत्र श्री मनसा राम निवासी गांव कौल सब तह. ढाण्ड जिला कैथल बयान करता हूं कि मेरा पुत्र पवन कुमार मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

## न्यूज डायरी

### त्रिदिवसीय खेल उत्सव का होगा आयोजन

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में खेलों को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों में टीम भावना विकसित करने और उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने के उद्देश्य से शुक्रवार से त्रिदिवसीय खेल उत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह खेल उत्सव कक्षा प्री नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए जाएंगे। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, आपसी सहयोग और सकारात्मक सोच को भी विकसित करते हैं। विद्यालय में खेल उत्सव को और अधिक व्यापक व आकर्षक रूप दिया गया है।

### बाबू अनन्त राम जनता कालेज में समारोह

ढांड। बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल, कैथल के प्रांगण में उप प्राचार्य डॉ. कुसुम के दिशा-निर्देशन में राजनीति शास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना विषय पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. ममता रानी, अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अमनदीप तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नैन्सी रहीं। उप प्राचार्य डॉ. कुसुम ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे सशक्त संविधान है, जो हमारे सिद्धांतों, संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों की स्थायी विरासत है।

### इनेलो ने चिकित्सकों की मांगों का समर्थन किया

जींद। इनेलो जिलाध्यक्ष विजेंद्र रेढ़ू ने कहा कि हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन द्वारा हरियाणा प्रदेश में 27 नवंबर गुरुवार को दो घंटे के लिए हड़ताल रखी गई है। जिससे निश्चित तौर पर हरियाणा प्रदेश में मेडिकल सेवाएं बाधित होंगी। मेडिकल सेवा अत्यंत आवश्यक सेवाओं में से एक है। सरकार को ऐसी व्यवस्थाएं करनी चाहिए ताकि जनता को दी जाने वाली मेडिकल सुविधाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो और फिर यदि बिना किसी कारण के बाधा उत्पन्न होती है तो निश्चित तौर पर यह सरकार की नाकामी है। बेवजह से डॉक्टरों को मेंटली, फिजिकली व इमोशनली परेशान व तंग किया जा रहा है।

### चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मनाया जिलास्तरीय संविधान दिवस

# संविधान केवल कानूनी किताब नहीं। बल्कि राष्ट्र की आत्मा: मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में बुधवार को जिलास्तरीय संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के प्रतिनिधि के तौर पर उनके बेटे एवं युवा भाजपा नेता रुद्राक्ष मिड्ढा ने शिरकत की। कार्यक्रम में भारत का संविधान नामक लघु फिल्म का प्रसारण भी किया गया तथा उपस्थित लोगों को संविधान संहिता का वाचन भी कराया गया व संविधान की शपथ भी दिलवाई गई। इस अवसर पर उनके साथ जींद के एसडीएम सत्यवान मान, नगराधीश मोनिका रानी, सीआरएसयू की रजिस्ट्रार लवलीन मोहन, सफीदों के तहसीलदार राजेश गर्ग, डिप्टी सिविल सर्जन डा. रमेश पांचाल, राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान सिंह मलिक सहित प्रशासनिक अधिकारी तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा भाजपा नेता रुद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि संविधान केवल कानूनी किताब नहीं बल्कि हमारे राष्ट्र की आत्मा है। संविधान हमें एक सूत्र में पिरोता है, हमारे अधिकारों की रक्षा करता है तथा प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्रदान करने की शक्ति देता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे व्यापक, लोकतांत्रिक और सर्वसमावेशी संविधान है। जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और गरिमा प्रदान करता है। भारत की विविधता एकता और लोकतांत्रिक मूल्य ही इसे विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनाते है। संविधान ने भारत को एक दिशा, एक ताकत और एक पहचान दी है। संविधान के मार्ग पर चलते हुए देश ने शिक्षा, विकास, तकनीकी और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस 26 नवंबर 1949 का वो ऐतिहासिक दिन था, जब डा. अंबेडकर और उनकी समर्पित टीम ने हमें ऐसा संविधान दिया, जिसने सदियों की गुलामी, अन्याय और भेदभाव से ऊपर उठ कर इस देश को समानता, न्याय और स्वतंत्रता के पंख दिए।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रुद्राक्ष मिड्ढा।

### संविधान एक राष्ट्र के रूप में जोड़ने वाला महान दस्तावेज : कुलदीप गोपेरा

*कैथल। जाट आईटीआई में प्रधानाचार्य कुलदीप गोपेरा की अध्यक्षता में संविधान दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। गोपेरा ने बताया कि संविधान दिवस हम भारतीयों के लिए केवल एक तारीख नहीं, बल्कि गौरव, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 1949 को हमारी संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। जाट हाई स्कूल समिति के प्रधान राजकुमार बेनीवाल ने कहा कि भारतीय संविधान केवल कानूनों की पुस्तक नहीं, बल्कि हमें एक राष्ट्र के रूप में जोड़ने वाला महान दस्तावेज है। विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और शपथ ली कि वे संविधान के बनाए गए नियमों का पालन करेंगे और देशहित में सदैव आगे रहेंगे।*

### बार एसोसिएशन में मनाया संविधान दिवस

*बार एसोसिएशन कैथल में संविधान दिवस मनाया। अधिवक्ता राजेंद्र पाटिल ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश का सर्वोच्च कानून है। यह हमें न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व का संदेश देता है। संविधान हर नागरिक को मौलिक अधिकार देता है और साथ ही मौलिक कर्तव्यों की याद भी दिलाता है, ताकि हम एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें। आज के दिन हम संकल्प लें कि हम संविधान के मूल्यों का पालन करेंगे, कानून का सम्मान करेंगे और देश की एकता व अखंडता बनाए रखेंगे। अधिवक्ता राजेंद्र पाटिल,एडवोकेट दलबीर खनोदा ,अनिल मुनारेहडी जी एडवोकेट विजय भारद्वाज, एडवोकेट अनिल सिरोही, एडवोकेट राजेश बुक्कल ,एडवोकेट अर्पित रंगा ,एडवोकेट सुरेश भारती ,मौजुद रहे।*

## भारतीय संविधान हमारे देश का सर्वोत्तम दस्तावेज: बीडीपीओ प्रतीक

जुलाना। शहीद मेजर राजकीय महाविद्यालय जुलाना में संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रतीक जांगड़ा रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में बिजली निगम के उपमंडल अधिकारी अशोक कुमारए मार्किट कमेटी सचिव कोमिला भी मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक दीपक कुमार ने किया। राजकीय कालेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि बीडीपीओ प्रतीक जांगड़ा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश का सर्वोत्तम दस्तावेज है, जो हमें न केवल नागरिक अधिकार देता हैए बल्कि हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भी समझाता है। उन्होंने यह भी बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को अपनाया गया। वहीं इस मौके पर उपप्राचार्य विजेन्द्र ने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व को समझाया। वहीं कार्यक्रम का संचालनक कर रहे दीपक ने कहा कि यह संविधान ही है जो भारत को एक लोकतांत्रिकए धर्मनिरपेक्ष और समावेशी राष्ट्र बनाता है। मौके पर नीरज धानियांए उपप्राचार्य विजेन्द्र सिंह डा महीपाल के अलावा का स्टाफ मौजूद रहा।

## नागरिक अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित

जींद। नागरिक अस्पताल में बुधवार को संविधान दिवस पर सीएमओ डा. सुमन कोहली के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकम में पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, डा. मनजीत, डा. विशाल पोरस, डा. पूनम मान, मैट्रन बाला मौजूद रहे। उन्होंने संविधान दिवस पर कहा कि भारतीय संविधान समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल सिद्धांतों पर आधारित है। संविधान दिवस हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने और लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। जो समानता और न्याय की गारंटी देता है। देश का अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनने से न सिर्फ संविधान का मकसद पूरा होगा बल्कि संविधान बनाने वालों का सपना भी पूरा होगा। संविधान को हमें परमात्मा के रूप में पूजना चाहिए। क्योंकि हमारा देश इसी संविधान की बदौलत चलता है। संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं और वहीं इसमें दिए गए मौलिक कर्तव्य हमें हमारी जिम्मेदारियां भी याद दिलाते हैं। इस मौके पर सभी को देश की एकता व अखंडता को लेकर शपथ दिलाई गई।

## ड्रेस मेकिंग ट्रेड की मंजू रही प्रथम

जींद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जींद में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य नरेश पांचाल ने छात्रों को भारत के संविधान के महत्व, उसके निर्माण की प्रक्रिया और उसमें निहित मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहींए बल्कि यह हमारे लोकतंत्र की नींव और हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई और उसके बाद विभिन्न ट्रेड के छात्रों ने संविधान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ड्रेस मेकिंग ट्रेड से मंजू को प्रथम स्थान, कोपा ट्रेड से अंकित को द्वितीय स्थान और स्टैनो हिंदी ट्रेड से अंजली को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया। उनके भाषणों में संविधान के मूल सिद्धांतों, मौलिक अधिकारो, कर्तव्यों और उसकी आज की युवा पीढ़ी के जीवन में प्रासंगिकता पर विशेष प्रकाश डाला गया। इनके विचारों ने उपस्थित सभी छात्रों और शिक्षकगण को प्रेरित किया। मंच संचालन का जिम्मा अनुदेशक सुरेन्द्र रेढ़ू ने संभाला।

# संविधान की मूल भावना समझें

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

राजकीय महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। जो प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे संविधान की मूल भावना को समझें और उसे अपने जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ, ऑनलाइन शपथ ग्रहण तथा ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील बनाना था। आयोजन में सामाजिक विज्ञान संकाय, लोक प्रशासन विभाग, राजनीति शास्त्र विभाग, एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय अलेवा के प्राचार्य प्रो. मुनीष व राजकीय महाविद्यालय जुलाना के प्राचार्य डा. शमशेर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डा. युद्धवीर, प्रो. पंकज, डा. भगवान दास, प्रो. रीतु, डा. विजयवीर एवं प्रो. सुशीला रानी सहित अन्य संकाय सदस्यों ने किया। कॉलेज परिवार ने संविधान दिवस को समर्पित इन गतिविधियों से छात्रों में राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

कर्तव्यनिष्ठा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की शपथ लेते हुए स्टाफ।

## संविधान दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

जींद। आधारशिला विद्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवास के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा नौवें से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें विद्यालय के चारों सदनों से आठ-आठ विद्यार्थियों ने भाग लिया। पूरी प्रतियोगिता संविधान संबंधी विषय पर आधारित रही। सभी छात्रों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर निदेशिका अंजू सिहाग ने अपने संबोधन में बताया कि यह दिवस भारतीय नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों से अवगत करवाने व संविधान निर्माताओं के प्रति सम्मान के रूप में मनाया जाता है। किसी भी राष्ट्र के उत्थान के लिए व उसके सफल संचालन के लिए एक नियमावली की आवश्यकता होती है, जो संविधान रूप में हर देश के पास होती है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है और उनमें जिज्ञासु प्रवृति का निर्माण होता है। इस सफल प्रतियोगिता का संचालन सोनू रेढ़ू की देखरेख में हुआ। अंत में राधाकृष्णन सदन ने प्रथम स्थान व अंबेडकर सदन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य सतवीर सिंह गहलावत ने प्रतिभागियों को सम्मानित करके उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया संविधान दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को शहर के रानी तालाब स्थित बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहेब को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया और राष्ट्र तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन पवन दूहन, कमल चौहान और ईशाक खान भट्टी आदि ने कहा कि 26 नवंबर भारतीय इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। क्योंकि आज ही के दिन 1949 में संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया था। इसी क्षण से आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक नींव मजबूत हुई और देश को एक नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित भारत का संविधान दुनिया का सबसे विस्तृत और संगठित लिखित संविधान है। जिसमें 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां शामिल हैं। इस संविधान ने प्रत्येक भारतीय को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल अधिकार प्रदान किए हैं। यही संविधान भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बनाता है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह संविधान में निहित मूल्यों को समझें, उनका पालन करें और समाज में सद्भाव, समानता एवं भाईचारे को बढ़ावा दें।

जींद । बाबा साहेब को नमन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

## पराली प्रबंधन के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

जींद । कृषि विज्ञान केंद्र पांडु पिंडारा द्वारा बुधवार को प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी महिला कालेज में पराली व फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी इंजी. रवि ने फसल अवशेष प्रबंधन की विभिन्न मशीनरी की जानकारी दी। डा. पवन कुमार ने बताया कि जलाने से प्यावरण के साथ-साथ मिट्टी के स्वास्थ्य का भी नुकसान होता है। यदि पराली का सही प्रबंधन किया जाए और इसे जलाया जा न जाए तो मृदा सुरक्षित रहती है और न ही प्रदूषण संबंधित समस्याएं पैदा होती हैं। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डा. जेएन गहलावत ने आधुनिक खेती से जुडने व फसल अवशेषों के प्रयोग बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई बार किसान जाने-अनजाने में पराली जला देते हैं। जिससे न केवल प्यावरण को नुकसान पहुंचता है बल्कि फसलों पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है ।

## प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में डेस्टिनी सदन रहा प्रथम

उचाना। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में विजेता टीम।

उचाना । चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल कसूहन में संविधान दिवस मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, उसके मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रधानाचार्य रितु अत्री ने 26 नवंबर के दिन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिन वर्ष 1949 में भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों एवं डा. भीमराव अंबेडकर के योगदान से जुड़े प्रश्न शामिल रहे। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा और उन्हें संविधान के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में चार सदन शामिल रहे। डेस्टिनी सदन प्रथम रहा। विजेता टीमों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अजय, अरूण, रितिका मौजूद रही।

## संविधान हमें को देता बराबर के अधिकार

राजौंद। संविधान दिवस पर पीएम श्री सरकारी स्कूल सोंगल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर सुरेश रावीश द्वारा की गई। उन्होंने बच्चों को संविधान के अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर ध्यान देने और अपने संस्कारों में समाहित करने के लिए प्रेरित किया। इतिहास प्रवक्ता कश्मीर सिंह ने बच्चों को संविधान की प्रारंभ से वर्तमान तक के परिदृश्य से अवगत करवाया। कार्यक्रम अधिकारी मामला राम द्वारा बच्चों को अपने जीवन में अपने घर में और जहां भी हम जीवन में कार्य करें वहां पर संविधान के सम्मान के लिए प्रेरित किा। उन्होंने बताया कि संविधान शब्ध सम जमा विधान से बना है समान रूप से नियम या कानून जिसका अर्थ होता है कि हमें देश में सभी नागरिकों को समान रूप से नियम प्रदान किए गए हैं। इस दौरान स्वयंसेवीका कोमल और प्रियंका ने अपने पूर्वजों और वर्तमान में अपने आसपास की समस्याओं का वर्णन कर बताया कि आज भी हमें संविधान में कई परिवर्तनों की संशोधनों की आवश्यकता है।

**निर्देश** कॉलेज व स्कूल बसों के लिए सुरक्षा की दृष्टि से तय किए जाए निर्धारित अलाइटिंग प्वायंट

### सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन को लेकर एडीसी ने ली बैठक

# झाड़ियों के कारण दुर्घटना घटती है तो संबंधित रोड एजेंसी होगी जिम्मेदार: अतिरिक्त उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने लघु सचिवालय के सभागार में बुधवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक एजेंडे में शामिल सभी बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीसी ने कहा कि स्कूल बसों की नियमित जांच, सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि न हो, इसके लिए सभी विभाग पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने सभी सड़क एजेंसियों को निर्देशित किया कि जिला की सभी सड़कों पर जहां आवश्यकता है, वहां रोड शोल्डर सही कराए जाए। जिन स्थानों पर पेड़ों की टहनियां सड़क पर अवरोध उत्पन्न करती हैं, वहां संबंधित विभाग तुरंत उनकी छंटाई करवाएं ताकि वर्टिकल क्लियरेंस बनी रहे। सड़क किनारों पर उगी झाडियों को समय पर हटाया जाए। अगर झाडियों के कारण कोई दुर्घटना घटती है तो संबंधित रोड एजेंसी जिम्मेदार मानी जाएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान सख्ती से किए जाएं। उन्होंने सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत जल्द से जल्द पूरी करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि कोई भी यात्री वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी लेकर न चले और सड़क सुरक्षा नियमों की कठोरता से पालन सुनिश्चित किया जाए। जहां कहीं भी आवश्यकता हो, सड़कों पर पैचवर्क शीघ्रता से करवाया जाए तथा वाटर लॉगिंग की समस्या नहीं रहने दी जाए। नालियां बना कर उनके उचित डिस्पोजल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि सड़कों पर बने सभी गड्ढों को भराया जाए। सड़क मार्गों पर अवैध अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए तथा सड़कों पर मवेशियों के घूमने पर अंकुश लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क पर कहीं भी अनधिकृत पार्किंग नहीं होनी चाहिए।

जींद । बैठक को संबोधित करते हुए एडीसी विवेक आर्य।

### बसों के लिए निर्धारित अलाइटिंग प्वायंट तय हों

*एडीसी ने कहा कि स्कूल व कॉलेज बसों के लिए सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित अलाइटिंग पॉइंट तय किए जाएं ताकि विद्यार्थी सड़क पर किसी भी अन्य स्थान पर न उतरें। सभी संबंधित विभाग निरंतर निरिक्षण करते रहें और दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके। आगामी सर्दी व धुंध के मौसम को देखते हुए एडीसी ने निर्देश दिए कि सभी सड़कों पर मार्किंग, साइन बोर्ड, सफेद पट्टी, रिफ्लेक्टर आदि सुव्यवस्थित ढंग से लगाए जाएं ताकि धुंध के समय वाहन चालकों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।*

### यह रहे मौजूद

इस दौरान बैठक में आरटीए गिरीश कुमार, डीएमसी सुरेंद्र दून, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, ईओ रिषिकेश सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## विधायक जाम्बा ने अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

ढांड। हरियाणा विधानसभा में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान विधानसभा पुण्डरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने भारत के संविधान निर्माता और महान समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। यह श्रद्धांजलि समारोह लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और संवैधानिक आदर्शों के संरक्षण के प्रति समर्पित रहा। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, राज्य सरकार के मंत्रीगण, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और सभी विधायक उपस्थित रहे। विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि बाबा साहेब केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महान प्रहरी और करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें लोकतांत्रिक आत्मा के प्रति सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही को और सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। बाबा साहेब ने जिस समाज का सपना देखा था, जिसमें हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, उसे साकार करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।